चतुर्थ चरण, कार्यक्रम- 07

पञ्चदिवसीय ऑनलाइन राष्ट्रीय कार्यशाला

आकलन एवं शोध उपकरण निर्माण

(Developing Assessment and Research Tools)

07 से 11 सितम्बर 2020 तक

संक्षिप्त प्रतिवेदन

भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय की बहुआयामी परियोजना **पण्डित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय शिक्षक एवं शिक्षण मिशन** के अन्तर्गत **श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली** (केन्द्रीय विश्वविद्यालय) में स्थापित **शिक्षण अधिगम केन्द्र** द्वारा चतुर्थ चरण के कार्यक्रमों में **'आकलन एवं शोध उपकरण निर्माण'** विषय पर सप्तम पञ्चदिवसीय ऑनलाइन राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन दिनांक 07 से 11 सितम्बर 2020 तक किया गया। इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य प्रतिभागियों को विविध आकलन एवं शोध उपकरणों (मात्रात्मक एवं गुणात्मक दोनों) के अभिकल्पन, विकास एवं प्रमापीकरण से परिचित कराना और इन उपकरणों से सम्बन्धित कुशलताओं का विकास करना। ऑनलाइन कार्यशाला का संचालन गूगल मीट के मंच पर किया गया। उद्घाटन सत्र का शुभारम्भ शिक्षण अधिगम केन्द्र की परियोजना अध्यक्ष **प्रो. अमिता पाण्डेय भारद्वाज** के स्वागत भाषण एवं कार्यशाला सन्दर्भ द्वारा किया गया। तदोपरान्त श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के माननीय कुलपति **प्रो. रमेश कुमार पाण्डेय** द्वारा अध्यक्षीय उद्बोधन दिया गया तथा **प्रो. के. भरत भूषण (** संकाय प्रमुख एवं विभागाध्यक्ष, शिक्षा संकाय) द्वारा धन्यवाद ज्ञापन से सत्र सम्पन्न हुआ। कार्यशाला का क्रियान्वयन विशेष रूप से अभिकल्पित 30 सत्रों द्वारा किया गया जिसमें उद्घाटन, प्रबोधन, 14 प्रदर्शन आधारित तकनीकी सत्र एवं प्रश्नोत्तर, 05 स्वाभ्यास, ऑनलाइन आकलन, 01 प्रतिपुष्टि, अनुभव साझा सत्र एवं समापन सत्र द्वारा किया गया। अन्तिम तिथि तक 246 प्रतिभागियों का पंजीकरण प्राप्त हुआ जिनमें से 226 को कार्यशाला हेतु आमंत्रित किया गया। वैसे 212 प्रतिभागियों ने अपने प्रतिभाग की पुष्टि प्रदान की लेकिन उनमें से 189 प्रतिभागियों ने कार्यशाला पूर्ण की और 23 प्रतिभागी अपने व्यक्तिगत कारणों से प्रतिभाग नहीं कर सके। **189 प्रतिभागियों** में भारत के 22 राज्यों से 148 तथा 2 केन्द्र शासित प्रदेशों से 41 प्रतिभागी रहे। 22 राज्यों के प्रतिभागियों में आन्ध्र प्रदेश से 13, असम से 03, बिहार से 06, छत्तीसगढ़ से 01, गोवा से 02, गुजरात से 01, हरियाणा से 12, हिमाचल से 01, झारखण्ड से 05, कर्नाटक से 03, मध्य प्रदेश से 07, महाराष्ट्र से 16, मेघालय से 01, ओडिशा से 08, पंजाब से 03, राजस्थान से 21, तमिलनाडु से 04, तेलंगाना 02, त्रिपुरा से 02, उत्तर प्रदेश से 25, उत्तराखण्ड से 05, पश्चिम बंगाल से 07 तथा 2 केन्द्र शासित प्रदेश में चण्डीगढ़ 03 एवं दिल्ली से 38 प्रतिभागी रहे। कार्यशाला विषय में निष्णात् देश के प्रतिष्ठित संस्थानों से **दस विशेषज्ञों** के कुशल मार्गदर्शन में सभी तकनीकी सत्रों का संचालन किया गया। इन सत्रों में कार्यशाला के मुख्य विषय रहे यथा - आकलन एवं शोध उपकरण: विहंगावलोकन, आकलन उपकरण के रूप में रूब्रिक्स निर्माण, निष्पादन आधारित परीक्षण निर्माण, प्रश्नावली: निर्माण एवं उसका प्रमापीकरण, संरचनात्मक आकलन के रूप प्रश्नोत्तरी, अभिवृत्ति मापनी का निर्माण एवं वैधता, मूल्य मापनी: निर्माण एवं उसका प्रमापीकरण, शोध उपकरण के रूप में लक्ष्य समूह परिचर्चा, उपलब्धि परीक्षण का निर्माण एवं प्रमापीकरण, आकलन एवं शोध उपकरण के रूप में प्रेक्षण, पोर्टफोलियो आकलन, एनेक्डोटल रिकार्डस् और अभिक्षमता परीक्षण: निर्माण एवं उसका मानकीकरण। तकनीकी सत्रों के विषयों के आधार पर 10 दत्तकार्य प्रतिभागियों को दिये गये। ऑनलाइन प्रशासित आकलन परीक्षण में **48% प्रतिभागियों ने 60% से अधिक** अंक प्राप्त किये। अंत में विशेषज्ञों के प्रस्तुत व्याख्यानों की गुणवत्ता के बारे में ऑनलाइन प्रतिपुष्टि चार श्रेणियों यथा- **उत्कृष्ट, अति उत्तम, उत्तम एवं संतोषजनक** में प्राप्त की गई और उनका औसत **76%, 20%, 03%** एवं **01%** क्रमश: श्रेणियों में प्राप्त किया गया। इसके साथ ही कार्यशाला के सन्दर्भ में ऑनलाइन प्रतिपुष्टि 10 बिंदुओं पर पाँच श्रेणियों में ली गई यथा- **उत्कृष्ट, अति उत्तम, उत्तम संतोषजनक एवं असंतोषजनक।** इन 10 बिन्दुओं की श्रेणियों में प्राप्त औसत प्रतिशत में **81% उत्कृष्ट, 16% अति उत्तम, 02% उत्तम एवं 01% संतोषजनक** प्राप्त हुई। समापन सत्र में परियोजना अध्यक्ष द्वारा गणमान्य अतिथियों का स्वागत करते हुए कार्यशाला प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया तत्पश्चात् **प्रो. श्रीनिवास बरखेडी** (कुलपति, कविकुलगरु कालिदास संस्कृत विश्वविद्यालय, नागपुर) ने मुख्य अतिथि सम्बोधित किया। इसके साथ मुख्यातिथि एवं विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति महोदय की गरिमामयी उपस्थिति में शिक्षण अधिगम केन्द्र द्वारा प्रकाशित संस्कृत शिक्षण के लिए दो सन्दर्शिकाओं एक उच्चप्राथमिक एवं दूसरी माध्यमिकस्तरीय का ई-विमोचन किया गया। शिक्षा संकाय प्रमुख द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यशाला सम्पन्न हुई। कार्यशाला समापनोपरान्त सफल प्रतिभागियों को ई- प्रमाणपत्र एवं ई-चित्रावली मेल द्वारा प्रेषित किये गए।